द्रोणाचार्य एक महान गुरु थे जिनकी मृत्यु तब तक संभव नहीं था जब तक की वह अपने हथियार ना दाल दें । उनको हथियार डलवाने के लिए पांडवों ने एक योजना बनाई । उस समय युद्ध में एक [हाथी](https://www.1hindi.com/essay-on-elephant-in-hindi/) अश्वथामा का वध भीम ने किया था और श्री कृष्णजी को पता था की द्रोणाचार्य को अपने पुत्र अश्वथामा से बहुत प्रेम था । उनके योजना के अनुसार वह युधिष्टिर की मदद से गुरु द्रोणाचार्य को यह बताना चाहते थे कि उनका पुत्र अश्वथामा का वध भीम ने कर दिया है । योजना के अनुसार क्योंकि युधिष्टिर ने कभी भी जीवन में असत्य नहीं कहा था उनकी बातों का द्रोणाचार्य ने विश्वास किया और हथियार त्याग दिए और ध्यान में बैठ गए । उसी समय द्रुपद के पुत्र धृष्टद्युम्न ने द्रोनाचय पर प्रहार कर के उनका वध कर डाला ।